"मैं 21 वर्षीय हूं. मैं जानना चाहती हूं कि ब्रेस्ट इम्प्लांट्स कितने सुरक्षित होते हैं? यदि इम्प्लांट्स शरीर के अंदर टूट जाएं तो इसका क्या प्रभाव पड़ता है और ऐसा होने की कितनी संभावना होती है?"

गौरी एस, ईमेल द्वारा

ब्रेस्ट इम्प्लांट्स बहुत सुरक्षित माने जाते हैं. परीक्षणों द्वारा यह सिद्ध हो चुका है कि ब्रेस्ट इम्प्लांट कराने से ट्यूमर या किसी भी तरह के ब्रेस्ट डिज़ीज़ होने का ख़तरा नहीं होता है. इससे बच्चे को दूध पिलाने या दूध बनने की प्रक्रिया भी प्रभावित नहीं होती. ब्रेस्ट का आकार बढ़ाने के लिए अमेरिका के एफ़डीए ने सिर्फ़ सलाइन इम्प्लांट को ही स्वीकृति प्रदान की है. इम्प्लांट टूटने के केसेस बहुत ही कम सुनने में आते हैं. ऐसा तभी होता है जब कोई चीज़ बहुत ज़ोर से इम्प्लांट से टकराए. अगर इम्प्लांट टूट भी जाता है तो इसमें इस्तेमाल किया हुआ सलाइन (एक प्रकार का द्रव) शरीर में घुल जाता है और इससे कोई परेशानी नहीं होती.

डॉ मोहन थॉमस, एमडी (यूएसए), एफ़एसीएस (यूएसए),
माउंट सिनाय हॉस्पिटल न्यूयॉर्क के विज़िटिंग स्कॉलर व कंसल्टेंट हैं. साथ ही ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल और दि कॉस्मेटिक सर्जरी इंस्टीट्यूट, मुंबई से भी जुड़े हुए हैं

मैं 29 वर्षीया महिला हूं. मेरी नाक बहुत छोटी है, जिसके कारण मैं दुखी रहती हूं. मैंने एक प्लास्टिक सर्जन से बात की तो उसने मुझे नाक में इम्प्लांट डलवाने की सलाह दी. क्या इम्प्लांट कराने से बाद किसी तरह की समस्या होती है?

लतिका शर्मा, वाराणसी

नाक का आकार बढ़ाने के लिए अक्सर इम्प्लांट का इस्तेमाल किया जाता है. हालांकि इसके लिए आपके शरीर के टिशूज़ (हड्डियां और कार्टिलेज) का भी इस्तेमाल किया जा सकता है, लेकिन कॉस्मेटिक राइनोप्लास्टी करवानेवाले ज़्यादातर लोग इम्प्लांट कराना अधिक पसंद करते हैं, क्योंकि यह सुरक्षित होता है. इम्प्लांट से कुछ तरह की समस्याएं, जैसे इम्प्लांट का अपनी जगह से हिलना, संक्रमण इत्यादि हो सकती हैं, लेकिन कुशल सर्जन से सर्जरी कराने पर ऐसी समस्याएं होने की संभावना बेहद कम हो जाती है. जिन इम्प्लांट्स में पोर्स (छेद) होते हैं वे त्वचा में अच्छी तरीक़े से सेट हो जाते हैं, लेकिन ऐसे इम्प्लांट्स को निकालना बहुत मुश्क़िल होता है. राइनोप्लास्टी के लिए सॉलिड सिलिकॉन इम्प्लांट का इस्तेमाल ज़्यादा किया जाता है और इसके परिणाम भी अच्छे होते हैं.

मेरी उम्र 36 वर्ष है. बच्चे होने के बाद मेरा शरीर बेडौल हो गया है. क्या मैं अपने शरीर को फिर से शेप में ला सकती हूं.

लीना अय्यर, चेन्नई

बॉडी कंटूरिंग या स्कल्पटिंग के परिणाम बहुत अच्छे होते हैं. इससे आप आसानी से कुछ इंचेज़ कम कर सकती हैं, लेकिन सर्जरी से आपका स्ट्रक्चर नहीं बदला जा सकता. आपका चिकित्सकीय परीक्षण करने के बाद ही पता लगाया जा सकता है कि किस हद तक आपके शरीर की कंटूरिंग की जा सकती है. आमतौर पर पेट, जांघ और हिप्स के आस-पास ही फ़ैट ज़्यादा जमा होता है. इस हिस्से का फ़ैट लाइपोसक्शन से निकाला जा सकता है. पेट के आस-पास की ढीली त्वचा को टमी टक से ठीक किया जा सकता है, लेकिन सर्जरी से चमत्कार की उम्मीद रखना ग़लत होगा.

मेरे दाएं ब्रेस्ट में कैंसर था, इसलिए इस ब्रेस्ट के कुछ ब्रेस्ट टिशूज़ निकालने पड़े. अब मेरा ट्रीटमेंट पूरा हो चुका है. मेरे दाएं ब्रेस्ट के जिन हिस्सों से टिशूज़ निकाले गए हैं, वो हिस्सा हल्का धंस गया है. क्या इसे इम्प्लांट से ठीक किया जा सकता है?

विद्या मेनन, अहमदाबाद

जी हां, इसे ठीक किया जा सकता. चूंकि आपके सिर्फ़ दाएं ब्रेस्ट के कुछ टिशूज़ निकाले गए हैं, इसलिए आपके पास बहुत-से विकल्प मौजूद हैं. पारंपरिक तरीक़े के अंतर्गत, शरीर के किसी अन्य हिस्से से टिशूज़ निकालकर ब्रेस्ट में प्रत्यारोपित किया जा सकता है. इसके परिणाम अच्छे होते हैं, लेकिन जिस स्थान से टिशूज़ निकाले जाएंगे, वहां दाग़ पड़ जाता है. की होल मेथर्ड से फ़ैट सेल्स ट्रान्सफ़र करने के परिणाम भी अच्छे होते हैं. इसमें आपके शरीर से ही फ़ैट टिशूज़ निकालकर ब्रेस्ट में इंजेक्ट कर दिया जाता है.

क्या लाइपोसक्शन के परिणाम स्थाई होते हैं? मैंने सुना है कि लाइपोसक्शन कराने के बाद बहुत तेज़ी से वज़न बढ़ता है. क्या यह सही है?

मंजु शेल्के, नागपुर

आपने बहुत महत्वपूर्ण सवाल किया है. जो लोग लाइपोसक्शन कराने की योजना बना रहे हैं उन्हें इसकी जानकारी अवश्य होनी चाहिए. लाइपोसक्शन से किसी अंग विशेष से फ़ैट सेल्स निकाले जाते हैं. बने हुए फ़ैट सेल्स की संख्या नहीं बढ़ती है, लेकिन व्यक्ति अगर खाने-पीने पर नियंत्रण न रखे तो फ़ैट सेल्स आकार में बढ़ सकते हैं और यह भी ध्यान देना ज़रूरी है कि पूरे शरीर से फ़ैट सेल्स निकालना मुमक़िन नहीं है. वैसे भी लाइपोसक्शन एक्सरसाइज़ और स्वस्थ जीवनशैली का विकल्प नहीं है. •

यदि आपके पास कॉस्मेटिक सर्जरी से जुड़ा कोई सवाल है तो डा मोहन थामस को लिखें. अपना सवाल femina@wwm.co.in पर भेजें.
*इस पृष्ठ पर छपनेवाली चिकित्सीय सूचना के बारे में फ़ेमिना की कोई जवाबदेही नहीं होगी.